नाम है तेरा तारणहारा | By Varsha Shrivastava

नाम है तेरा तारणहारा कब तेरा दर्शन होगा
जिनकी प्रतिमा इतनी सुन्दर वो कितना सुन्दर होगा

तुमने तारे लाखों प्राणी ये संतो की वाणी है
तेरी छवि पर ओ मेरे भगवन ये दुनिया दीवानी है
भाव से तेरी पूजा रचाऊं जीवन में मंगल होगा
जिनकी प्रतिमा इतनी सुन्दर वो कितना सुन्दर होगा

सुरवर मुनिवर जिनके चरणों में निस दिन शीश झुकाते हैं
जो गाते हैं प्रभु की महिमा वो सब कुछ पा जाते हैं
अपने कष्ट मिटाने को तेरे चरणों का वंदन होगा
जिनकी प्रतिमा इतनी सुन्दर वो कितना सुन्दर होगा

मन की मुरादें लेकर स्वामी तेरे चरण में आये हैं
हम हैं बालक तेरे चरण में तेरे ही गुण गाते हैं
भव से पार उतरने को तेरे गीतों का संगम होगा
जिनकी प्रतिमा इतनी सुन्दर वो कितना सुन्दर होगा

ऐसी दया कर देना दाता निश्छल गुज़रे ये जीवन
रंग लगे नहीं कपट झूठ का हो पावन मेरा तन मन
सेवा में तेरी ओ मेरे स्वामी भक्ति भाव अर्पण होगा
जिनकी प्रतिमा इतनी सुन्दर वो कितना सुन्दर होगा

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%a8%e0%a4%be%e0%a4%ae-%e0%a4%b9%e0%a5%88-%e0%a4%a4%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a4%be-%e0%a4%a4%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a4%a3%e0%a4%b9%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a4%be-by-varsha-shrivastava/